



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
भाग II—लकड़ 3—उप-लकड़ (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 254]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 5, 1989/वैशाख 15, 1911

No. 254] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 5, 1989/VAISAKHA 15, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

धर्मसूचना
नई दिल्ली, 5 मई, 1989

का.आ। 333 (अ)---स्वर्ण नियन्त्रण अधिनियम, 1968 (1968
वा 45) की द्वारा 31 के पहले परन्तु के लिए (iii) द्वारा 8
वीं उपधारा (6) और द्वारा 9 की उपधारा (2) के साथ परिणाम
द्वारा 115 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए और अधिकृतमा सं. का.आ। 550 (अ), तारीख 8-6-1988
की अधिकृत करते हुए, नियाम उन बातों के संबंध में जो ऐसे
अधिकृत के पूर्वी की गई या किए जाने से रह गई हैं, मैं के के,
निषिङ्ग, प्रणालीक, इस रूप का होते हुए, कि इसमें विनियिट थां के
मामलों की विशेष परिस्थितियों ऐसी अपेक्षा करती है।

(i) भारत स्वर्ण खान नियिट को या तो सीधे या भारत स्वर्ण
खान नियिट द्वारा इस नियाम अधिकृत के रूप में
नियुक्त किसी अनुग्रह व्योहारी के भाष्यम से या नई
दिल्ली, वालकन्ना, मुम्बई और मद्रास स्थित भारतीय स्टेट
बैंक की मुद्रा जाका के भाष्यम से प्रत्येक व्योहारियों

या प्रमाणित स्वर्ण कार को मानक स्वर्ण शालाकाओं के रूप में
किसी प्राथमिक स्वर्ण का विक्रय, परिचान, अंतरण या अन्यथा
व्यवन करने के लिए इस शर्त के प्रधीन रहते हुए प्राधिकृत
करता हूं कि अनुकूल व्योहारी की दशा में विक्रय प्रति वित्त
प्रति व्योहारी स्वर्ण के एक किलोग्राम से अधिक नहीं होगा
और प्रमाणित स्वर्णकार की दशा में स्वर्ण का विक्रय प्रति
दिन स्वर्ण के एक सौ ग्राम में अधिक नहीं होगा;

(ii) ऐसे प्रत्येक व्योहारियों और प्रमाणित स्वर्णकारों को
उक्त लिए (1) में विनियिट रूप में भारत स्वर्ण
खान नियिट द्वारा इस प्रकार विक्रय, परिचान, अंतरण
किए गए या अन्यथा व्यवन किए गए प्राथमिक स्वर्ण का
व्यवन करने, उसे स्वीकार करने, प्राप्त करने या अन्यथा अर्जित
करने के लिए प्राविकृत करता हूं;

(iii) ऐसे प्रत्येक व्योहारियों को इस प्रकार अर्जित प्राथमिक
स्वर्ण को प्रमाणित स्वर्णकार को मानक स्वर्ण शालाका के
रूप में विक्रय, परिचान, अंतरण या अन्यथा व्यवन करने
के लिए अथवा मानक स्वर्ण शालाकाओं का प्रमाणित
स्वर्णकार या वारीग्र को आमूल्यों में अपरिवर्तन करने
के प्रयोग के लिए इस शर्त के साथ परिवास करने के लिए,

नि पानपत्री ऐं गोपणी रो गला। लौगरी को बाप्त कर दिया जाए, प्राधिकृत करना है। आगे वही अनुज्ञात शोहारी स्वर्णकाम या कर्मगर वार्ष उसका जाग लिए दो अवधियों तक विकास परिदान भाँड़ा या अन्यथा अपाप भी कर सकेंगे जोर

(iv) ऐसा अनुशंसित व्यक्ति प्राधिक स्वर्णों का भानक रखने गतान्त्रियों के दूर में विक्रय परिदान, अंतरण या अन्यथा व्यय नहीं करेंगा, ऐसा वह पूर्वोक्त बंद (i) गे (iii) तक में अंतरिक्ष उपकरणों के अनुग्रह ही करेगा, अन्यथा नहीं।

[प्रधिसूचना नं 3/89 F.T. म. 131/20/85-जी गी]

के.जे. रेडी, सर्व नियंत्रण प्राधिक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th May, 1989

S.O. 333(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 115 read with clause (iii) of the first proviso to section 31, sub-section (6) of section 8 and sub-section (2) of section 9, of the Gold Control Act, 1968 (45 of 1968) and in supersession of the notification No. S.O. 550(E) dated 8-6-1988 except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, I, K.J. Reddy, Administrator, being of opinion that special circumstances of the class of cases specified herein so require, hereby authorise :—

(i) The Bharat Gold Mines Limited to sell, deliver, transfer or otherwise dispose of any primary gold in the form of standard gold bars to licensed dealers or certified

gold-smith either directly or through a licensed dealer appointed as an agent in this behalf by Bharat Gold Mines Limited or through the main branch of the State Bank of India at New Delhi, Calcutta, Bombay and Madras; subject to the condition that in the case of licensed dealer the sale shall not exceed 1 kg. of gold per dealer per day and in the case of certified goldsmith the sale of gold shall not exceed one hundred grams of gold per day;

(ii) Such licensed dealers and certified goldsmiths to buy, accept, receive or otherwise acquire the primary gold so sold, delivered, transferred or otherwise disposed of by Bharat Gold Mines Limited, as specified in clause (i) above;

(iii) Such licensed dealers to sell, deliver, transfer or otherwise dispose of primary gold so acquired to a certified goldsmith in the form of standard gold bars or deliver the standard gold bars to a certified goldsmith or an artisan for the purpose of conversion into ornaments with a condition of subsequent return of such ornaments to the licensed dealer. Further, the same licensed dealer may also sell, deliver, transfer or otherwise dispose of ornaments, returned to him from the goldsmith or artisan to any other licensed dealer; and

(iv) Such licensed dealer shall not, sell, deliver, transfer or otherwise dispose of the primary gold in the form of standard gold bars except in accordance with the provisions contained in the aforesaid clause (i) to (iii).

[Notification No. 3/89 F. No. 131/20/85-CC.]

K. J. REDDY, Gold Control Administrator